सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 102 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 17 मई, 2023

मूल्य ₹ 3/-

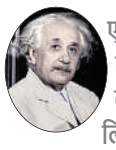

एक मेज, एक कुर्सी, एक कटोरा फल और एक वायलन, भला खुश रहने के लिए और क्या चाहिए?
-अल्बर्ट आइंस्टीन

मशहूर वकील जफरयाब जिलानी... 8 | निकाय चुनाव नतीजों से मिलेगी... 3 | फोटो गैलरी के बहाने कांग्रेस-भाजपा... 7

सिद्धारमैया संभालेंगे कर्नाटक की कमान!

खरगे ने लगाई नाम पर मुहर

» कांग्रेस के अगले सीएम कल ले सकते हैं शपथ

» कांग्रेस अध्यक्ष को दिया था विधायकों ने अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कर्नाटक। चार दिनों के माथापच्ची के बाद कांग्रेस ने बुधवार को कर्नाटक के सीएम का नाम फाइनल कर दिया। पार्टी ने एक बार फिर सिद्धारमैया के ऊपर भरोसा जताया है। सूत्रों के मुताबिक उनके नाम पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुहर लगा दी है। कर्नाटक सीएम की रेस में सिद्धारमैया अपने प्रतिद्वंद्वी डीके शिवकुमार पर भारी पड़े। वह कल शपथ ले सकते हैं. वहीं, डीके शिवकुमार के सरकार में शामिल होने पर सस्पेंस बना हुआ है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 135 सीटों के साथ शानदार जीत दर्ज की थी। इसके बाद रविवार (14 मई) को बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई जिसमें एक प्रस्ताव पारित कर सीएम चुनने का अधिकार कांग्रेस अध्यक्ष को दिया गया। इस दौरान कांग्रेस के पर्यवेक्षकों ने विधायकों की राय जानी। इसके लिए गुप्त मतदान भी कराया गया. कहा जाता है कि सिद्धारमैया खुद भी गुप्त मतदान चाहते थे।

डीके शिवकुमार के आग्रह पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

कर्नाटक कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। डीके शिवकुमार की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी के आग्रह पर सुनवाई टाली गई है। उनकी ओर से ये टिप्पणी की गई कि फिलहाल दो-तीन दिन पब्लिसिटी से बचना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट मामले की सुनवाई कर रहा है, अगर सीबीआई चाहे तो वेकेशन बेंच में आ सकती है, दरअसल, डीके शिवकुमार की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि कर्नाटक हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश था। हाईकोर्ट में 23 मई को सुनवाई होनी है।

कई दौर की बैठक

कर्नाटक का सीएम चुनने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर कई दौर की बैठकें चलीं। मंगवाल को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी खरगे के आवास पर पहुंचे थे, जहां दोनों के बीच करीब डेढ़ घंटे तक नाम को लेकर मंथन हुआ। वहीं, आज बुधवार को सिद्धारमैया ने राहुल गांधी से मुलाकात की। इसके कुछ देर बाद ही उनका नाम फाइनल होने की खबर सामने आई।

कांग्रेस अधिक संगठित थी इसलिए जीती : बोम्मई

विधानसभा चुनाव में हार के बाद कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, ने कहा कि कांग्रेस ने अपना प्रचार अभियान जल्दी शुरू कर दिया और राज्य में भाजपा का संदेश गड़बड़ा गया। यह पूछे जाने पर कि नतीजों से क्या सीख मिली, बोम्मई ने कांग्रेस की जीत के तीन कारण बताए। उन्होंने कहा, लोग मुफ्त उपहारों के बहकावे में आ गए। फिर, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि कांग्रेस अधिक संगठित थी। कांग्रेस ने अपनी तैयारी काफी पहले से शुरू कर दी थी, जैसा आमतौर पर भाजपा करती थी,हमने अपने फैसले थोड़ी देर से लिए, देर से काम किया, उन्होंने कहा, अंत में, हालांकि भाजपा सरकार ने बहुत सारे कार्यक्रम आयोजित किए, लेकिन सही संदेश लोगों तक नहीं गया... (सरकार के) बड़े फैसले लोगों तक नहीं पहुंचे। बोम्मई ने कहा कि भाजपा खेमे में स्थिति में सुधार होने में कुछ महीने लगेंगे। उन्होंने कहा कि बहुमत मिलने के बावजूद कांग्रेस ने अभी तक अपना सीएम उम्मीदवार तय नहीं किया है। इससे पार्टी के अंदरुनी हालात का पता चलता है। लोगों की आकांक्षाएं राजनीति से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

मुख्तार अंसारी को अदालत ने दी राहत

» हत्या के प्रयास की साजिश में पूर्व विधायक दोषमुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। अपर सत्र न्यायाधीश एमपी एमएलए कोर्ट दुर्गेश की अदालत ने मुहम्मदाबाद क्षेत्र में हुए हत्या प्रयास की साजिश में आरोपित मुख्तार अंसारी दोषमुक्त कर दिया है। वर्ष 2009 में मीर हसन उर्फ मीरकल्लू निवासी चकशाह मुहम्मद उर्फ मलिकपुरा ने मुहम्मदाबाद थाने में सोनू यादव के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना में मुख्तार अंसारी को साजिशकर्ता मानते हुए उनपर धारा 120बी का केस दर्ज किया था। तब अंसारी जेल में बंद था।

हालांकि इस मामले में मुख्य आरोपित सोनू यादव कोर्ट से बरी हो गया था, जबकि मुख्तार अंसारी के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहा था। इस मामले में बीते छह मई को मुख्तार की ओर से मौखिक बहस की गई। जिसके बाद अदालत ने फैसला के लिए 17 मई की तिथि मुकर्रर की थी।

एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनाया फैसला

बुधवार को फैसला सुनाते हुए एमपी-एमएलए कोर्ट के जज दुर्गेश ने मुख्तार अंसारी को हत्या के प्रयास की साजिश के मामले में दोषमुक्त करार दिया है। एमपी एमएलए कोर्ट दुर्गेश की अदालत ने इससे पहले गैंगस्टर के दो मामले में मुख्तार अंसारी को दस-दस साल की सजा सुना चुकी है। गैंगस्टर में पहली सजा बनारस के अवधेशराय हत्या कांड और दूसरी सजा बनारस के ही कोयला व्यवसायी व हिंदूवादी नेता नंदकिशोर रुंगटा अपहरण व हत्या कांड के गैंगस्टर में दस साल की सजा सुनाई गई थी।

सत्यपाल मलिक के करीबी के घर पहुंची सीबीआई

» बीमा घोटाले से जुड़े एक मामले में हुई रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीबीआई ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के एक करीबी के घर छापेमारी की। बताया गया है कि एजेंसी ने यह रेड कथित बीमा घोटाले से जुड़े एक मामले में की है। मामले में मलिक के राज्यपाल रहते हुए उनके तत्कालीन सहयोगी के परिसरों में और दिल्ली और जम्मू कश्मीर में आठ अन्य ठिकानों पर बुधवार को तलाशी ली गई।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई के दलों ने पूर्व राज्यपाल के तत्कालीन सहयोगी के अवास पर तथा अन्य ठिकानों पर आज सुबह तलाशी अभियान शुरू किया। इससे पहले एजेंसी ने 28 अप्रैल को मलिक से पूछताछ की थी और आज यह कार्रवाई हो रही है। एजेंसी ने अक्तूबर 2022 में मलिक के बयान भी दर्ज किए थे। गौरतलब है कि मलिक ने कथित तौर पर एक ग्रुप मेडिकल इंश्योरेंस स्कीम तथा लोक निर्माण कार्यों के लिए ठेकों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। सीबीआई ने इस संबंध में दो प्राथमिकी दर्ज की हैं।

हार के बाद बसपा में गाज गिरना शुरू

» मेरठ मंडल के प्रभारी निष्कासित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी नगर निकाय चुनाव में बहुजन समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन 2017 चुनाव से भी गया गुजरा रहा है। मेरठ मंडल के प्रभारी प्रशांत गौतम को बसपा से निष्कासित कर दिया गया है। उन पर अनुशासनहीनता का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि जल्द ही कुछ और नेताओं पर गाज गिर सकती है। उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव में करारी हार के बाद ऐक्शन शुरू हो गया है।

मेरठ मंडल के प्रभारी रहे प्रशांत गौतम को पार्टी से निकाल दिया गया है। उधर, प्रशांत ने पार्टी के बड़े नेताओं पर आरोप लगाए हैं और बसपा प्रमुख मायावती को पत्र लिखकर इस्तीफे की पेशकश की है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि हार के लिए जिम्मेदार कुछ और पदाधिकारियों पर भी जल्द ऐक्शन हो सकता है। नगर निकाय चुनाव में बसपा का प्रदर्शन 2017 से भी खराब रहा है।

हालांकि, मायावती 18 मई को इसकी समीक्षा करेंगी, लेकिन इससे पहले पार्टी के पदाधिकारी इसके लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने लगे हैं। मेरठ मंडल के प्रभारी रहे प्रशांत गौतम को तीन दिन पहले पद से हटा दिया गया था। इसके बाद उन्होंने 15 मई को मायावती को पत्र लिखकर कहा कि भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री और सपा की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष हर जिले में चुनाव प्रचार करते रहे, जबकि आपकी (मायावती) ओर से कोई चुनावी बयान आया न कोई रैली की गई। इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है। ऐसे लोगों के हाथ में पार्टी की कमान है, जिनका खुद का कोई जनाधार नहीं है। ऐसी परिस्थिति में पार्टी में काम करना संभव नहीं है। सभी पदों से मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाए। इसके बाद बसपा के जिलाध्यक्ष मोहित आनंद ने पत्र जारी कर प्रशांत को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया। उन्होंने लिखा है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोपों की छानबीन के बाद यह कार्रवाई की गई है।

गठबंधन की समीक्षा करेगा रालोद, जयंत ने बुलाई बैठक

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव में सपा रालोद मिलकर लड़े थे। इसका कितना नफा, कितना नुकसान हुआ इसका रालोद मंथन कर रहा है। रालोद महापौर पद पर चुनाव नहीं लड़ा था और नगर पालिका और नगर पंचायतों के चुनावी रण में ही उसके उम्मीदवार खड़े हुए थे। सपा रालोद का गठबंधन विधानसभा चुनाव 2022 में हुआ था जो इस बार के नगर निकाय चुनाव में भी रहा। शुरुआत में टिकट वितरण को लेकर कई सीटों पर दोनों के बीच तनातनी हुई लेकिन बाद में फैसला हो गया। रालोद का जोर नगर पालिका एवं नगर पंचायत में था। 17 में से एक भी नगर निगम महापौर पद पर उसने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। सभी पर सपा को समर्थन दिया था। हालांकि सपा एक भी महापौर पद नहीं जीत सकी है। बाकी जगह रालोद लड़ा और उसका परिणाम ठीक ही माना जा रहा। रालोद ने 7 नगर पालिका अध्यक्ष और 7 नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर चुनाव जीता। 10 पार्षद भी उसके जीते। इसके अलावा 40 नगर पालिका सदस्य और 38 नगर पंचायत सदस्य जीते। अब रालोद लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट रहा है। कमेटियों का गठन करना है। उससे पहले मंथन किया जा रहा । इस बाबत दिल्ली में अगले सप्ताह बैठक बुलाई जा रही है। पदाधिकारियों से ऐसी सीटों का ब्यौरा मांगा गया है जहां मुकाबले नजदीकी रहे। यह देखा जा रहा है कि उन सीटों पर सपा समर्थित कितने वोट रालोद को मिले। रालोद प्रदेश मीडिया संयोजक सुनील रोहटा के मुताबिक एक एक सीट पर वोटों का गुणाभाग चल रहा है। रालोद का प्रदर्शन बेहतर रहा है पर आगे की तैयारी अभी से करनी है।

भाजपा में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा हो गई : गोविंद सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उमरिया। उमरिया जिले पहुंचे मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह ने फॉर्मेसी काउंसिल में स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी के द्वारा किये गए मनमानी ढंग से सदस्यों की नियुक्ति को लेकर सवाल उठाया है। नेता प्रतिपक्ष ने इस दौरान बीजेपी को जमकर कोसा। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने कहा, भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पार हो गई है। तीन सदस्य अपने चहेतों को रख लिए और खुद अध्यक्ष बन गए।

वहीं, फर्जी ढंग से मेडिकल स्टोर के लाइसेंस बांटकर करोड़ों रुपयों का घोटाला किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक लेकर टिकट की मांग करने वाले नेताओं से वन-टू-वन चर्चा की। वहीं, उमरिया नगर पालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष ने करीब दो करोड़ 26 लाख के विकास कार्यों के भूमि पूजन कार्यक्र म में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा विधायक शिवनारायण सिंह भी उपस्थित रहे।

सिंबल का मजाक उड़ाने वालों को मिला कटोरा : अनुप्रिया

» बोलीं-रामपुर की स्वार सीट पर विपक्ष हमारी पार्टी के सिंबल कप-प्लेट का उड़ा रहा था मजाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री व अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रामपुर की स्वार सीट पर विपक्ष हमारी पार्टी के सिंबल कप-प्लेट का मजाक उड़ा रहा था। सपा के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने हमारे सिंबल का मजाक उड़ाया था, जनता ने उन्हें कटोरा थमा दिया।

माल एवेन्यू स्थित कैंप कार्यालय में रामपुर की स्वार विधानसभा सीट से चुनाव जीतने वाले शफीक अहमद अंसारी व

मीरजापुर की छानबे विधानसभा सीट से चुनाव जीतने वाली रिंकी कोल को उन्होंने सम्मानित किया। उन्होंने दोनों नव निर्वाचित विधायकों को नसीहत दी कि चुनाव जीताकर जनता ने आपको बड़ी जिम्मेदारी दी है। पार्टी की परंपरा व मूल चरित्र के आधार पर विधानसभा में अपनी बात रखें। अब अपना दल (एस) के कुल 13 विधायक हैं। इस अवसर पर प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल भी मौजूद रहे।

पार्टी जो कहेगी वही करूंगा : दिग्विजय

» सिंधिया के खिलाफ भी लड़ने को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिवनी/भोपाल। मध्यप्रदेश में राजा और महाराजा की लड़ाई अगले स्तर पर पहुंच गई है। पहले भगवान महाकालेश्वर का नाम लेकर दोनों ने एक-दूसरे पर तंज कसा। अब राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने गुना से चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि अगर पार्टी कहेगी तो गुना से भी चुनाव लड़ने को तैयार हूं। खास बात यह है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस में रहते हुए इसी सीट से सांसद रहे थे।

2018 में वह भाजपा के केपी यादव से चुनाव हारे थे। उन्होंने कहा कि मैं अभी राज्यसभा का सदस्य हूं। अभी लड़ने की कोई आवश्यकता नहीं है। पार्टी का सिपाही हूं, जो पार्टी आदेश देगी वह करूंगा। इसके बाद उनसे पूछा गया कि क्या गुना से चुनाव लड़ेंगे, इस पर दिग्विजय सिंह बोले कि मेरी पार्लियामेंटरी सीट राजगढ़ है, गुना नहीं। पिछली बार मुझे भोपाल सीट से लड़ने का आदेश हुआ था, तब वहां से लड़ा था। मैं पार्टी का कार्यकर्ता हूं, सिपाही हूं, जो आदेश होगा उसका पालन करेंगे।

चुनाव आते ही याद आईं बहनें

दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि शिवराज सिंह चौहान को 20 साल तक अपनी बहनों की याद नहीं आई। चुनाव के समय अपनी बहनों की याद आई। जिस प्रकार के नियम बनाए हैं, एक-एक महिला को फॉर्म भरने में 1500 से 2000 रुपये खर्च करना पड़ रहा है। इंटरनेट की कनेक्टिविटी नहीं है। ओटीपी आ नहीं रहा है। फॉर्म ऑनलाइन भरे नहीं जा रहे हैं।

दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार शासन नहीं करती, व्यवसाय करती है। व्यवसाय भी पार्टनरशिप में पहले मुख्यमंत्री जी, मंत्री जी, सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, भाजपा के बिचौलिया विधायक और भाजपा के नेता। हर चीज में कमीशन है। हर स्तर पर कमीशन बाजी है। आज तक भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। व्यापमं के प्रकरण में जिन्होंने पैसा दिया वह लोग गिरफ्तार हुए। जिन लोगो ने पैसा लिया, उसकी जांच पूरी नहीं हो पाई।

भाजपा की सरकार व्यवसाय करती है

महाकाल के दर्शन पर शुल्क महापाप : तोगड़िया

» राजनीति का हो गया है हिंदूकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र में त्रिशूल दीक्षांत समारोह एवं विशाल हिंदू सम्मेलन के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के नाम पर लिए जा रहे शुल्क पर कड़ा विरोध जताया। साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल ने इस मामले में मेमोरेंडम दिया है, जिस पर हमारा स्पष्ट मत है कि भगवान के दर्शन के लिए कोई टैक्स शुल्क नहीं लिया जाना चाहिए।

भगवान के दर्शन के नाम पर यदि कोई टैक्स वसूला जाता है तो यह महापाप है। यही हमारा स्पष्ट मंतव्य भी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मैं जनसंख्या नियंत्रण कानून बनवाने के लिए प्रयासरत हूं। 18 साल में यह कानून नहीं बना, इसके जवाब में डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने बताया कि अब प्रवीण तोगड़िया इस कानून को बनाने के लिए निकला है और इसे बनवाकर रहेगा। राजनीति का देश में हिंदूकरण हो गया है। सभी पार्टियां हिंदुओं की ओर सोच रही हैं। ममता बनर्जी चंडी पाठ कर रही हैं। केजरीवाल नोटों पर लक्ष्मी जी, भूपेश बघेल राम वनगमन पथ और शिवराज सिंह चौहान राम वनगमन पर ध्यान दे रहे हैं। देश की राजनीति का हिंदूकरण होना अच्छी बात है, लेकिन जो दल हिंदुओं की स्वास्थ्य, रोजगार, सुरक्षा की ओर ध्यान देगा, उससे ही अब सत्ता का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की सुरक्षा जिस पार्टी को नहीं होगी। देश में ऐसी पार्टियों को हिंदुओं की नाराजगी का सामना भी करना पड़ेगा। कर्नाटक में भाजपा की हार पर डॉ तोगड़िया ने कहा कि सभी भाई चतुर हैं, उन्हें पता है कि झटका आखिर कहां से लगा है।

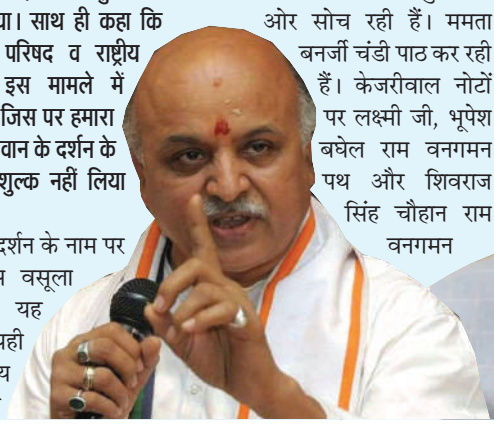

दिग्विजय हिंदू देवी-देवता का करते हैं अपमान : सारंग

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के बयान पर भाजपा हमलावर हो गई है। एक दिन पहले दिग्विजय सिंह ने कहा था कि हिंदुत्व कोई धर्म नहीं है और वह सनातन धर्म में विश्वास करते है। इस पर भाजपा नेताओं ने उन पर एक के बाद एक हमले किए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि दिग्विजय सिंह हिंदू-देवी देताओं का अपमान करते हैं। वहीं, इस मामले पर पूर्व सीएम कमलननाथ ने कहा कि कर्नाटक चुनाव से बुरी तरह हारने के कारण भाजपा नेता अपना संतुलन खो बैठे हैं। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि दिग्विजय सिंह अल्पज्ञानी है। वह धर्म का विध्वंस करते है। हिंदू-देवी देवताओं का अपमान करते है। सारंग ने कहा कि दिग्विजय सिंह भगवा आतंकवाद जैसी शब्दावली को पूरे विश्व में प्रचारित करने का काम करते है। वह आदि अनादि काल से विघ्नसंतोषी हुए है। जिन्होंने देवी-देवताओं के यज्ञों में विघ्न डाला। इस समय ऐसे लोगों को दिग्विजय कहा जाता है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह खुद हिंदू नहीं हैं तो क्या हिंदुत्व सिखाएंगे। दिग्विजय सिंह ने हिंदू और सनातन की व्याख्या तो कर दी। उनको आतंकवादियों और इस्लाम पर भी व्याख्या करना चाहिए। जिस तरह सनातन धर्म की व्याख्या कर रहे हो, वैसी व्याख्या किसी दूसरे धर्म के लिए करते तो आपके तन पर कपड़े तक नहीं होते।

निकाय चुनाव नतीजों से मिलेगी सीख

भाजपा-सपा को लाभ, कांग्रेस-बसपा को नहीं मिला फायदा

- परंपरागत वोटरों ने बदला मिजाज
- सभी राजनैतिक दलों ने अपनाए नए प्रयोग
- दो-दो मंत्री भी नहीं जीता सके चुनाव
- बगावत से भी कमजोर हुई कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को अन्य दलों की अपेक्षा सबसे अधिक सीटें मिलीं हैं। दूसरे नंबर पर सपा, जबकि उसके बाद बसपा व कांग्रेस का नंबर आता है। सीटों की संख्या के आधार व वोटों के प्रतिशत से सभी दल अपनी हार या जीत की समीक्षा करेंगे। लेकिन लब्बोलुआब देखा जाए तो इसबार वोटरों ने अपना मिजाज बदला है। परंपरागत वोटरों ने अपनी पार्टी बदली है तो पार्टियों ने भी एक ही ढर्रे में चले आ रहे परिपाटी को खत्म कर कैडर उम्मीदवार की जगह अलग तरह के प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। ये अलग तरह के प्रयोगों से सियासी दलों को उतना लाभ भले ही न मिला हो पर इसका इशारा जरूर मिला है कि आने वाले चुनाव में नए बदलाव के साथ अगर राजनैतिक दल चुनावी अखाड़े में आएं तो उन्हें अपेक्षाकृत लाभ होगा।

जालौन सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री भानुप्रताप वर्मा और प्रदेश सरकार के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान भी उनके क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी को नहीं जिता सके। अमरौधा नगर पंचायत की भाजपा प्रत्याशी उमा देवी हार गई। रामपुर मनिहारान विधानसभा से भाजपा विधायक देवेंद्र निम और प्रदेश के औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सैनी भी अपने क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी को जीत नहीं दिलवा सके। रामपुर मनिहारान में भाजपा प्रत्याशी सुशीला देवी को बसपा की रेनू ने पराजित किया। नकुड विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विधायक मुकेश चौधरी सरसावा नगर पालिका में भाजपा प्रत्याशी वर्षा मोगा को जीत नहीं दिलवा सके। बड़ौत विधानसभा से विधायक व मंत्री केपी मलिक के क्षेत्र की बड़ौत नगर पालिका से भाजपा प्रत्याशी सुधीर मान हार गए।

चुनाव के मौके पर शहर कांग्रेस के अध्यक्ष दिलप्रीत सिंह और अजय श्रीवास्तव अज्जू भाजपा में चले गए। उनके साथ कई और कार्यकर्ता भी चले गए। टिकट बंटवारे को लेकर विवाद से कई जगह अधिकृत प्रत्याशी ही तय नहीं हो पाए। एक बार तो प्रत्याशियों की जारी सूची को ही फर्जी बताया गया। बाद में कोई नई सूची भी नहीं जारी की गई। महापौर प्रत्याशी का नाम तो नामांकन के दिन ही खोला गया।

सपा : भितरघात ने पहुंचाया नुकसान

संगठन की निष्क्रियता, मेहनती कार्यकर्ता की जगह अपनों को टिकट देने और भीतरघात के कारण लखनऊ के नगर निगम के साथ नगर पंचायत चुनाव में सपा की हवा निकल गई। शहरी क्षेत्रों में सपा का प्रदर्शन पिछली बार से अधिक पिछड़ गया। पिछली बार 34 वार्ड में सपा के पार्षद चुने गए थे, यह संख्या इस बार 21 हो गई। वहीं सपा गांवों में भी वर्ष 2017 का प्रदर्शन नहीं दोहरा सकी। पिछली बार सपा ने नगर पंचायत की आठ में से पांच सीट सपा ने वर्ष 2017 में जीती थी। पिछले साल विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीन जुलाई 2022 को महानगर, जिला संगठन सहित सभी कार्यकारिणी भंग कर दी थी। संगठन भंग होने के बाद क्षेत्रों में पार्टी कार्यकर्ताओं की सक्रियता भी कम हो गई। निकाय चुनाव से ठीक पहले सपा ने जय सिंह जयंत को दोबारा जिलाध्यक्ष और सुशील दीक्षित महानगर अध्यक्ष बना दिया। इस बीच निकाय चुनाव की घोषणा हो गई। अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप की अध्यक्षता में नगर निगम चुनाव प्रबंध की कमेटी बनायी। इस कमेटी के बावजूद पार्षदी के दावेदारों की सूची ने मौजूदा दोनों विधायकों और विधानसभा प्रभारियों ने महानगर संगठन से साझा ही नहीं की। यहीं कारण रहा कि नामांकन के अंतिम दिन तक कई दावेदारों के टिकट काटे गए। महानगर संगठन ने 110 में से 83 और जिला संगठन ने 26 वार्डों में प्रत्याशी उतारे। अरविंद यादव की पत्नी वर्ष 2017 में पार्षद का चुनाव जीती थी। इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड ने अर्जुनगंज की रहने वाली शांति यादव को सपा ने उतारा। क्षेत्रीय विरोध के बीच इस वार्ड में सपा तीसरे नंबर पर रही। दूसरे नंबर पर निर्दलीय मो. उस्मान उर्फ लल्लन रहे। गढ़ी पीर खां में पिछली बार के पार्षद अयाजुर्रहमान उर्फ अल्लाह प्यारे का टिकट काटकर सिमरन सक्सेना को दिया गया। नगर निगम चुनाव में जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई सभाएं की। वहीं अखिलेश यादव केवल एक मेट्रो यात्रा को छोड़ चुनाव प्रचार से दूर रहे। ट्रांसपोर्टनगर से भूतनाथ तक मेट्रो सफर में भी वह किसी मतदाता से नहीं मिल सके थे। शिवपाल सिंह यादव ने जरूर मलिहाबाद में सभा की थी। ऐसा पहली बार हुआ जबकि पार्षद और नगर पंचायत के टिकट पार्टी कार्यालय की जगह होटल से बांटे गए। नामांकन से एक दिन पहले सारी रात आवेदकों को बुलाकर टिकट बांटा गया। इंटरनेट मीडिया पर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध दर्ज कराया। चुनाव में उन्होंने भी दूरी बनाए रखी।

भाजपा : दिग्गज भी नही दिला पाए वोट

नगरीय निकाय चुनाव में केंद्र और प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों के इलाकों में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। देश में अलग-अलग जगहों पर चुनाव कराने के लिए भेजे जाने वाले राष्ट्रीय पदाधिकारी अपने क्षेत्र में पार्षद को न जितवा पाए। भाजपा ने नगरीय निकाय चुनाव को लोकसभा चुनाव का पूर्वाभ्यास मानते हुए लड़ा है। पार्टी ने चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को उनके क्षेत्र की निकायों में जीत की जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन नतीजे चौंकाने वाले सामने आए हैं। नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा के दिग्गज सांसद और विधायकों भी अपना क्षेत्र नहीं बचा सके हैं। विधायकों और सांसदों के निर्वाचन क्षेत्र से जुड़ी नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। चुनाव परिणाम के बाद भाजपा प्रदेश मुख्यालय को मिल रहे फीडबैक में सामने आया है कि कई जगह सांसद और विधायकों के करीबियों ने बगावत कर पार्टी प्रत्याशी को चुनाव हराया। माननीय अव्वल तो अपने करीबी को मैदान से हटाने में नाकाम रहे और उसके बाद पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार में भी दिलचस्पी नहीं ली। चुनाव हारने के बाद प्रत्याशियों ने इसका ठीकरा विधायक और सांसदों पर फोड़ना शुरू कर दिया है। अवध सहित अन्य क्षेत्रों में आरोप लगाए जा रहे हैं कि कई सांसदों और विधायकों ने न सिर्फ अपने परिजनों और करीबियों को रणनीति के तहत चुनाव लड़ाया, बल्कि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी की हार के लिए पर्दे के पीछे सारे जतन करते रहे। कई विधायक तो चुनाव आते ही बीमारी का बहाना बनाकर निष्क्रिय हो गए और पार्टी को दिखाने के लिए फोटो खिंचाने तक सीमित रहे। नतीजे आते ही फिर सक्रिय होकर मैदान में आ गए हैं।

कांग्रेस : पिछली बार से कम हो गईं सीटें

पिछले चुनाव में आठ वार्डों में जीतने वाली कांग्रेस आपसी कलह के चलते पिछला आंकड़ा भी नहीं छू सकी। इस बार कांग्रेस ने महज चार सीटों पर ही जीत दर्ज की। यह हाल तब है जबकि नामांकन के दिन तक पार्टी प्रत्याशियों को बदलती रही। वहीं इस बार दो सीटें तो उन कार्यकर्ताओं के कारण कम हो गईं जो पार्टी की उपेक्षा और नेताओं की मनमानी से दूसरे दल में चले गए और चुनाव भी जीत गए।इस बार जिन सीटों पर पार्टी के पार्षद जीते हैं, उनमें मालवीय नगर वार्ड से ममता चौधरी, गोमतीनगर वार्ड से कौशल शंकर पांडेय, इस्माइलगंज प्रथम से मुकेश सिंह चौहान और मौलाना कल्बे आबिद वार्ड से इफहामुल्लाह फैज हैं। जो दो जिताऊ सीटें इस बार पार्टी ने गंवाई हैं, उनमें एक महात्मा गांधी वार्ड और दूसरी रामजीलाल सरदार पटेल वार्ड की है। महात्मा गांधी वार्ड से अमित चौधरी को इस बार पार्टी ने मांगने के बाद भी टिकट नहीं दिया। अंत में वह बसपा में चले गए और चुनाव भी जीते। इसी तरह रामजीलाल सरदार पटेल वार्ड के पार्षद रहे गिरीश मिश्र पार्टी नेताओं की उपेक्षा के चलते भाजपा में चले गए। इस बार उन्होंने पत्नी को भाजपा से चुनाव लड़ाया और वे जीत भी गईं। गिरीश ऐसे पार्षद हैं जो पिछले 25 साल से भाजपा के गढ़ में पार्टी को जीत दिला रहे थे। पिछले बार जो आठ पार्षद जीते थे उनमें दो साल पहले कोरोना के समय ओम नगर के पार्षद राजेंद्र सिंह गप्पू और राजाबाजार वार्ड की पार्षद शहनाज की मृत्यु हो गई थी। ऐसे में यह दो जिताऊ सीटें वैसे ही पार्टी के हाथ से निकल गईं थीं।

बसपा: नए-नए प्रयोग पर परिणाम जस का तस

उत्तर प्रदेश के निकाय चुनावों के परिणाम आने के बाद सबसे बड़ी चिंता बहुजन समाज पार्टी को सता रही है। दरअसल लगातार चुनावों में बसपा के गिरते ग्राफ से न सिर्फ पार्टी का वोट बैंक खिसक रहा है, बल्कि पार्टी के कद्दावर नेताओं का भी विश्वास डगमगा रहा है। पार्टी के रणनीतिकारों के मुताबिक सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि अगले साल लोकसभा का चुनाव है और पार्टी निकाय चुनावों में मुसलमानों पर दांव लगाकर एक बार फिर से पूरी तरह फ्लॉप हो गई है। ऐसे में पार्टी के भीतर अब चर्चा इस बात की हो रही है कि क्या एक बार फिर से बहुजन समाज पार्टी को दोबारा से सक्रिय होने के लिए एक मजबूत गठबंधन की बेहद आवश्यकता है। पार्टी से जुड़े नेताओं का मानना है कि इस पर फैसला बसपा सुप्रीमो मायावती को ही लेना है। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने उत्तर प्रदेश के निकाय चुनावों में आने वाले लोकसभा चुनावों के पहले के सेमीफाइनल की तरह ही सियासी फील्डिंग सजाई थी। मायावती ने दलित और मुस्लिम राजनीति के गठजोड़ को बड़ा सियासी समीकरण मानते हुए यूपी में 17 मेयर की सीटों पर 11 मुसलमानों को टिकट देकर अपने सियासी इशारे साफ कर दिए थे। जब निकाय चुनाव के परिणाम आए, तो बसपा के लिए यह बेहद निराशाजनक रिजल्ट रहे। मायावती को बीते कुछ चुनावों में ऐसा लग रहा है कि दलित और मुस्लिम गठजोड़ से पार्टी का भला हो सकता है। अब तक मायावती सोच भी ठीक रही थी, लेकिन इस वक्त के जो सियासी समीकरण हैं, उसके लिहाज से दलितों के वोट बैंक में भाजपा ने जबरदस्त तरीके से सेंधमारी की है और मुसलमानों का बसपा पर भरोसा कायम नहीं हो पा रहा है। बल्कि मायावती के मुसलमानों पर ज्यादा भरोसा करने की वजह से दलित भी उनसे छिटक कर दूर जा रहा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विराट की तारीफ गिल के लिए शुभ संकेत!

> कोहली ने लिखा- एक तरफ क्षमता होती है और फिर एक तरफ गिल हैं। आप आगे बढ़ें और अगली पीढ़ी का नेतृत्व करें। भगवान आपका भला करे। कोहली ने इस पोस्ट के जरिये शुभमन को अगली पीढ़ी के लिए एक रोल मॉडल बनने का प्रोत्साहन दिया है, जैसा कि उन्होंने खुद भारतीय टीम और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए कई वर्षों तक किया है।

आईपीएल में शानदार खेल दिखाने के लिए शुभमन गिल की कप्तान विराट कोहली ने जमकर तारीफ की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर गुजरात टाइटंस के ओपनर के लिए मैसेज लिखा और साथ ही यह भी बताया कि शुभमन से वह काफी प्रभावित हुए हैं। कोहली, जो कि आईपीएल के इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं, उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर मैसेज के जरिये शुभमन को एक तरह से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया। कोहली ने लिखा- एक तरफ क्षमता होती है और फिर एक तरफ गिल हैं। आप आगे बढ़ें और अगली पीढ़ी का नेतृत्व करें। भगवान आपका भला करे। कोहली ने इस पोस्ट के जरिये शुभमन को अगली पीढ़ी के लिए एक रोल मॉडल बनने का प्रोत्साहन दिया है, जैसा कि उन्होंने खुद भारतीय टीम और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए कई वर्षों तक किया है।

आईपीएल के 16वें सीजन में गुजरात टाइटंस के विस्फोटक ओपनर शुभमन गिल ने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा। शुभमन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अहमदाबाद में 58 गेंदों में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 101 रन की पारी खेली। दुनियाभर के क्रिकेट पंडितों ने इस पारी के लिए शुभमन की तारीफ की है। सोशल मीडिया पर इस भारतीय ओपनर के लिए प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। शुभमन इस सीजन आईपीएल में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने अब तक 13 मैचों में 48 की औसत और 146.19 के स्ट्राइक रेट से 576 रन बनाए हैं। इस दौरान शुभमन ने एक शतक और चार अर्धशतक लगाया है। ओवरऑल आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 87 मैचों में 34.87 की औसत और 129.57 के स्ट्राइक रेट से 2476 रन बनाए हैं। भारत के लिए शुभमन ने 15 टेस्ट, 24 वनडे और छह टी20 खेले हैं। टेस्ट में उन्होंने 34.23 की औसत से 890 रन, वनडे में 65.55 की औसत से 1311 रन और टी20 में 40.4 की औसत से 202 रन बनाए हैं। उनके नाम तीनों फॉर्मेट में शतक हैं। वनडे में शुभमन दोहरा शतक भी लगा चुके हैं। आईपीएल 2023 में सोमवार को गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 34 रन से हरा दिया। गुजरात के लिए बल्ले के साथ शुभमन गिल ने 101 रन बनाए। वहीं, साई सुदर्शन ने 47 रन की पारी खेली। हैदराबाद के लिए भुवनेश्वर कुमार ने पांच विकेट लिए। मार्को यानसेन, फजलहक फारुकी और टी नटराजन को एक-एक विकेट मिला। हैदराबाद के लिए क्लासेन ने 64 और भुवनेश्वर कुमार ने 27 रन बनाए। वहीं, गुजरात के लिए शमी और मोहित शर्मा ने चार-चार विकेट लिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कांग्रेस की छत्रछाया में फिर जगा भरोसा

उमेश चतुर्वेदी

क्या भारत का मुस्लिम मतदाता फिर उसी तरह की सोच की तरफ बढ़ रहा है, जैसा भारतीय राजनीति में कांग्रेसी वर्चस्व के दिनों में था। कर्नाटक के नतीजों के ठीक एक महीने पहले की बात है। वाराणसी के मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक समूह से चर्चा के दौरान इस सोच का संकेत मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी के उन बौद्धिकों ने संकेत दिया कि वोट देने के लिए उनकी पहली पसंद कांग्रेस बनती जा रही है। स्थानीय चुनावों को छोड़ दें तो लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अब मुस्लिम मतदाता कांग्रेस की ओर देखने लगा है। कर्नाटक में जिस तरह के नतीजे आए हैं, उसमें पिछड़ी जातियों के मतदाताओं, वोक्वालिगा समुदाय के साथ ही सबसे बड़ा योगदान मुस्लिम मतदाताओं का है।

एक सर्वे के मुताबिक, पोलिंग बूथों पर पहुंचे राज्य के मुस्लिम मतदाताओं ने एकमुश्त कांग्रेस को वोट दिया है। सर्वे के मुताबिक, राज्य के करीब 82 फीसदी मुस्लिम वोटरों ने जहां एकमुश्त कांग्रेस को वोट दिया, वहीं जनता दल सेक्युलर को सिर्फ पंद्रह प्रतिशत का ही समर्थन मिला। अल्पसंख्यक समुदायों का भरोसा जीतने को भाजपा के शीर्ष नेता 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' जैसे नारे के साथ काम कर रहे हैं। लेकिन सर्वे के आंकड़ों पर भरोसा करें तो इस नारे और संकल्प के बावजूद अल्पसंख्यक समुदाय का भरोसा जीतने में भारतीय जनता पार्टी सफल नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अल्पसंख्यक लोगों की तरफ हाथ बढ़ा रहा है। इसके बावजूद अल्पसंख्यक वोटरों का भरोसा जीतने में कम से कम अभी तो कामयाब नजर नहीं आ रही। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में राज्य के सिर्फ दो प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं ने ही भाजपा का साथ दिया। बता दें कि कर्नाटक में अल्पसंख्यक करीब 16 प्रतिशत हैं। इसमें मुस्लिम वोटरों की संख्या करीब 82 लाख है। दरअसल, उत्तर भारत के राज्यों मसलन बिहार और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोटरों ने पिछली सदी के नब्बे के दशक से कांग्रेस से मुंह मोड़ना शुरू किया।

राजनीति में अतीत में ताकतवर रही कांग्रेस का बुनियादी आधार दलित, आदिवासी और मुस्लिम समुदाय था। ब्राह्मण वर्ग का समर्थन था। लेकिन जब बिहार में लालू यादव और उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह का उभार हुआ तो मुस्लिम वोटर इन दोनों के इर्द-गिर्द इकट्ठा होने लगे। यही वह दौर है, जब भारतीय राजनीति में

सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता की बहस शुरू हुई तो मुस्लिम समुदाय कथित धर्मनिरपेक्ष खेमे का सबसे बड़ा समर्थक आधार बनता गया। जिन राज्यों में उसे कांग्रेस का विकल्प दिखा, वह कांग्रेस छोड़ विशेषकर समाजवादी वैचारिक आधार का दावा करने वाले दलों के पीछे चलने लगा। एक दौर में वामपंथी राजनीति धर्मनिरपेक्षता की सबसे बड़ी अलंबरदार रही। साफ है कि वह भी अपने प्रभाव वाले दिनों में मुस्लिम वोट बैंक का सबसे बड़ा आधार बनी रही। हालांकि जब कहीं और ज्यादा आक्रामक राजनीतिक धारा दिखी तो मुस्लिम वोट बैंक उसकी तरफ झुकता चला गया। जैसे पश्चिम बंगाल में यह धारा ममता बनर्जी की ओर झुकती गई। बहरहाल कांग्रेस से मुस्लिम वोट बैंक के इस विचलन का असर यह हुआ कि कांग्रेस राजनीतिक रूप से उन राज्यों में सिकुड़ती चली गई, जहां उसके मुकाबले कहीं ज्यादा कथित धर्मनिरपेक्ष दल मिलता चला गया। लेकिन मुसलमानों का अब इन दलों से मोहभंग होने लगा है। जिसकी बानगी वाराणसी के मुस्लिम बौद्धिकों से चर्चा के दौरान दिखी। अब मुस्लिम तबका भी मानने लगा है कि कथित धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार उनका वोट लेते हैं, लेकिन उनके समुदाय की भलाई या राजनीतिक हितों के लिए ठोस काम नहीं करता। इस बीच कांग्रेस ने पिछली सदी के नब्बे के दशक के पहले का चोला पूरी तरह उतार दिया है। तब वह भले ही कथित धर्मनिरपेक्षता की राजनीति के साथ ही तुष्टिकरण वाले कदम भी उठाती थी, लेकिन वह आज जैसे कथित सांप्रदायिकता के विरोध में झंडा नहीं उठाती थी। लेकिन आज की कांग्रेस के अगुआ भले ही कभी मठों में घूमें, जनेऊ धारण करें, पूजा करें। लेकिन यह भी सच है कि वे मुस्लिम तुष्टिकरण की बातें कहीं ज्यादा आक्रामक ढंग से करते हैं। आज का कांग्रेसी नेतृत्व धर्मनिरपेक्षता के खांचे में हिंदुत्व का चेहरा फिट करते वक्त उसे उदार बताता है, वहीं मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए खुलकर बोलता है।

नागरिकता संशोधन कानून हो या कृषि कानून, कांग्रेस की अगुआई वाले कथित धर्मनिरपेक्षतावादी विपक्षी खेमे की सफलता कही जाएगी कि वह एक वर्ग के मतदाताओं के जेहन में बिठाने में सफल रहा कि ये कानून उनके समुदाय के विरोधी हैं। इसका असर अब दिखने लगा है। कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में एकमुश्त पड़े मुस्लिम वोट इसी का असर है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के बूते चुनावी चक्रव्यूह!

पुष्परंजन

इस साल चार विधानसभाओं के चुनाव, और 2024 में लोकसभा के साथ-साथ बाकी तीन राज्यों में चुनाव क्या उन्हीं परंपरागत पैटर्न पर लड़े जाएंगे, जिनकी रणनीति भारत की सर्वे कंपनियों की सूचनाओं के आधार पर तय होती रही है? इसका जवाब है- यह बदलेगा। दरअसल, सत्तापक्ष अगले चुनावों में अपना हाल कर्नाटक की तरह करना नहीं चाहता। इसलिए, दुनिया के उन देशों से संपर्क साधने की कोशिश हो रही है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के माध्यम से मतदाताओं के मिजाज को जानने में सटीक सफलता मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले माह 22 जून को वाशिंगटन व्हाइट हाउस में डिनर पर आमंत्रित हैं। समझा जाता है कि उनकी इस यात्रा के दौरान कुछ अमेरिकी और इस्राइली हाईटेक कंपनियां, जो आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के जरिये सर्वे कराकर चुनावी रणनीतिकारों को जानकारी बेचती हैं, वे टीम मोदी से संपर्क साधें। आधिकारिक रूप से सत्ता के गलियारों में बैठे चंद लोग इस सवाल पर खामोशी साधे हुए हैं, मगर इतना जरूर इशारा हुआ कि अगले चुनाव में रणनीति के स्तर पर भारी बदलाव सोच लिया गया है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यम भी शामिल हैं।

अमेरिका में आम चुनाव नवंबर, 2024 में है। उससे बहुत पहले भारत में लोकसभा चुनाव हो जाना है। अमेरिकी मतदाताओं के मिजाज को भांपने में पिछले चुनावों में जिस तरह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल हुआ, उसे 98 से 100 फीसदी सटीक माना गया था। राष्ट्रपति जो बाइडेन इस बात से भी चिंतित हैं कि प्रतिपक्ष कहीं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनियों का दुरुपयोग न करे। गत 3 मई को राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दुनिया की दिग्गज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनियों के टॉप सीईओ के साथ बैठक की थी, और यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि नागरिकों के निजी डाटा का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ इस बैठक में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, माइक्रो सॉफ्ट के सत्या नडेला व ओपेन एआई के सीईओ सैम अल्टमन्न उपस्थित थे। इनसे यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि आर्टिफिशियल टेलीजेंस वाले जो प्रोडक्ट बाजार में उतार रहे हैं, वह सुरक्षित होंगे, लोगों की निजता और सिविल राइट्स का हनन नहीं करेंगे। इस बैठक के हवाले से उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी बयान दिया था कि प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों की नैतिक और कानून सम्मत जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने प्रोडक्ट का दुरुपयोग किसी भी हालत में होने न दें।

अमेरिका में साल 2008 और 2012 के चुनावों को फेसबुक अकाउंट्स के जरिये लडा गया था। उन दिनों किसी मुद्दे पर फेसबुक यूजर्स की प्रतिक्रियाओं के आधार पर चुनावी सर्वे कंपनियां अपने क्लाइंट्स को डाटा उपलब्ध करा देती थीं। मगर, पिछले दो चुनावों से अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की बड़ी भूमिका दिखने लगी है। अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी 'एक्सपर्ट डॉट एआई' ने 2020 के चुनाव में धमाल मचा दिया था, जिसके डाटा सटीक उतरे थे। साल 2020 चुनाव से पहले 'एक्सपर्ट डॉट एआई' ने सोशल मीडिया की तमाम पोस्ट को खंगालने में एआई सॉफ्टवेयर की मदद ली थी। जो बाइडेन जीत रहे हैं, उसकी थाह सोशल मीडिया में चल रही हलचलों से पता चल चुकी था।

लेकिन चार वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक ने उन तिजोरियों की थाह भी लेनी शुरू की है, जिनसे चुनावों में आर्थिक मदद मिलने की संभावना है। जो बाइडेन की चिंता इस बात की है कि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी इसी तकनीक के सहारे चुनावी चंदे को बड़े स्तर पर जुटाने में डेमोक्रेट्स से आगे न निकल जाएं। सॉफ्टवेयर कंपनियों के सीईओ की बैठक के पीछे राष्ट्रपति जो बाइडेन की यही मंशा थी कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिये वे डाटा उनके विरोधियों को नहीं हासिल हो जाएं, जिससे चुनावी बाजी एकदम से पलट जाये। अप्रैल, 2023 में बोस्टन स्थित इमर्सन कॉलेज ने सर्वे में एक जानकारी दी कि 43 फीसद अमेरिकन जो बाइडेन को पसंद करते हैं व 41 प्रतिशत ट्रंप को। 10 फीसदी किसी और चेहरे की उम्मीद कर रहे हैं। बचे छह प्रतिशत लोग यह तय नहीं कर पा रहे कि 2024 के चुनाव में उन्हें क्या करना चाहिए। इमर्सन कॉलेज सर्वे, 'अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक रिसर्च' की अनुषंगी इकाई है।

पिछले चुनाव में इसकी भविष्यवाणी 93 प्रतिशत सही उतरी थी। लेकिन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सटीक जानकारी के साथ-साथ सूचनाओं को गुमराह भी कर सकता है, इसकी आशंका इस्राइली एक्सपर्ट व्यक्त करते हैं। हिब्रू भाषा के अखबार 'इ?राइल हेयोम' ने 14 मई, 2023 की एक रिपोर्ट में जानकारी दी है कि आम लोगों को गुमराह करने के वास्ते आवाज समेत व्यक्ति विशेष का क्लोन एआई के जरिये तैयार कर चुनावी दुष्प्रचार का ब्रह्मास्त्र बना लिया गया है। आप पुष्टि करते रहिये कि बयान फेक है, या सही, तब तक लाखों-करोड़ों लोग इसके दुष्प्रभाव की चपेट में आ चुके होते हैं। दरअसल, एआई आने वाले चुनावों का साइबर शैतान है, जिसकी मायावी चालों का शिकार आम मतदाता हो सकता है। तो क्या भारत में जो आगामी चुनाव होंगे, उसमें एआई जैसे मायावी दानव का इस्तेमाल होगा? अब तो मानकर चलिये कि भारतीय चुनावों में सौ-हजार लोगों के सैंपल साइज वाले सर्वे और एक्जिट पोल के दिन लदने वाले हैं। एक्जिट पोल की शुरुआत 1967 में हुई थी।

गर्मियों में शरीर को ठंडा रखते हैं ये आयुर्वेदिक उपाय

गुलकंद

गर्मी के मौसम में थकान, सुस्ती और शरीर मे जलन व खुजली की समस्या भी हो जाती है। इसके अलावा गर्मियों में एसिडिटी, पेट फूलने के कारण पेट में जलन भी हो सकती है। गर्मियों में होने वाली इन परेशानियों से राहत पाने के लिए गुलकंद का सेवन करना चाहिए। गुलकंद आंतों और पेट की समस्या से राहत पहुंचाता है।

बेल शरबत

आयुर्वेद के मुताबिक, गर्मियों में बेल के शरबत को सेहत के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। बेल में विटामिन सी और फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। बेल के शरबत के सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है। बेल का शरबत लू और सूखेपन से बचाव करता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। गर्मियों में होने वाली शारीरिक समस्याओं से राहत चाहते हैं तो रोजाना दो बार बेल के जूस का सेवन खाना खाने से पहले करें।

आंवला

आंवला में लाभकारी आयुर्वेदिक गुण हैं, वात और पित्त दोष दोनों को संतुलित रखता है। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। आंवला के सेवन से कफ भी दूर होता है। गर्मियों में कच्चे आंवले का सेवन शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।लू या चिलचिलाती हवा से शरीर को होने वाले नुकसान से आंवला बचाता है। गर्मियों में आप आंवला का जूस, कच्चा, अचार, आंवला पाउडर या मुरब्बे का सेवन कर सकते हैं।

गर्मियों के मौसम में चलने वाली गर्म हवा या लू शरीर को बाहरी और अंदरूनी तौर पर परेशान कर देती है। लू लगने से कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। गर्मियों में गर्म हवा, सूखापन शारीरिक समस्याओं की वजह बनता है। जिससे वात दोष बढ़ना शुरू हो जाता है और इससे त्वचा पर चकत्ते पड़ने लगते हैं, त्वचा में रूखापन आने लगता है, स्किन की चमक चली जाती है और डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। लोगों को गर्मी के दिनों में एसिडिटी, जी मिचलाना, अपच जैसी समस्याएं भी हो जाती हैं। ऐसे में कुछ आसान उपायों से गर्मी में लू से होने वाली समस्याओं से राहत पाई जा सकती हैं और शरीर को ठंडा रख सकते हैं।

सेब का सिरका

गर्मियों में अगर लू लग जाए तो शरीर मे मिनरल और इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो जाती है। गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने से शरीर में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल की मात्रा काफी कम हो सकती है। इससे बचाव और मिनरल की कमी को पूरा करने के लिए सेब के सिरके का सेवन करें। सेब का सिरका सेहत के लिए फायदेमंद है। रोजाना दिन में दो बार दो चम्मच सेब के सिरके को एक गिलास पानी में मिलाकर सेवन करें।

हंसना मना है

ये वो दौर है जनाब, जहां इंसान गिर जाये तो, हंसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो जान निकल जाती है।

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं, कंडक्टर- अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए, फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का- ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले, क्योंकि मैं एक शेर कि औलाद हुं। लड़की- अच्छा तो एक बात बता, शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थी, सोलिड वाली बेईज्जती।

लड़का : मैं उस लड़की से शादी करुंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका : मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है।

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया,1500 रुपये का बिल आया, उसने मैनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है, मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

कहानी | सियार और जादुई ढोल

एक समय की बात है, जब एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुड़क कर जंगल में चला जाता है और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। उसी जंगल में एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। किसी तरह से सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह ढोल की आवाज सुनकर घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल के पास जाता है और उस पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुड़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप परिवार वालों के साथ सुखद समय बितायेंगे। सामाजिक स्तर पर आपका रूतबा बढ़ेगा। प्रेम-संबंधों में आपको सफलता मिलेगी।

वृषभ

आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे और प्रभावशाली स्थिति की ओर बढ़ेंगे। आपकी कुछ पोषित इच्छाओं की पूर्ति होगी और आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं।

मिथुन

आज आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की सोच सकते हैं। आप अपने साथियों को खुश रखने की कोशिश करेंगे। बी.सी.ए स्टूडेंट्स को करियर में सफलता मिलेगी।

कर्क

परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से उच्च अध्ययन के लिए प्रवेश पाने वाले सफल होंगे। व्यवसायी लम्बे समय से चली आ रही जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे।

सिंह

आज शाम के समय जीवनसाथी के साथ बाहर डिनर करना आपको सुकून देगा। आप मूड खुशमिज़ाज बना रहेगा। ऑफिस के मामलों को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है।

कन्या

जहां तक आपके करियर की बात है, तो परिणाम हासिल करने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। आपके बॉस और उच्च अधिकारी आप को भ्रमित कर सकते हैं।

तुला

आज आप ऑनलाइन सर्चिंग में बिजी रहेंगे। अपने लिये कोई इलेक्ट्रॉनिक्स की चीज खरीद सकते हैं। आपको डिस्काउंट भी मिल सकता है।

वृश्चिक

आपकी लोकप्रियता अपने चरम पर होगी और आप बहुत महत्वपूर्ण लोगो के साथ संपर्क स्थापित कर सकते हैं। आपके दुश्मन आपका कुछ नही बिगाड़ पाएंगे।

धनु

आज किसी व्यक्ति को आपसे उम्मीद से ज्यादा अपेक्षाएं होंगी। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय कारगर साबित होगी।

मकर

आज आपके पास अपने निकट और प्रिय लोगों के साथ अपनी मानसिकता साझा करने का समय होगा। आर्थिक रूप से भी यह उत्कृष्ट समय है।

कुम्भ

आज आपका सोचा हुआ काम अचानक से पूरा होगा। अगर आप किसी से अपने दिल की बात कहना चाहते हैं, तो दिन फेवरेबल रहने वाला है।

मीन

किसी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस हो सकती है। अत- सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें। निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं।

25 साल बाद अजय देवगन संग धूम मचाने को तैयार हैं ज्योतिका

बॉलीवुड | मसाला

कंदक्षिण भारतीय फिल्मों की अदाकारा ज्योतिका एक बार फिर हिंदी फिल्म जगत का रुख करने जा रही हैं। वह अजय देवगन की आने वाली फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म निर्माताओं की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फिल्म की निर्माण पूर्व प्रक्रिया जारी है और इसकी शूटिंग अगले महीने शुरू की जाएगी। इसकी शूटिंग मुंबई, मसूरी और लंदन में कई स्थानों पर की जाएगी। ज्योतिका, दृष्टिबाधित उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला के जीवन पर आधारित फिल्म 'श्री' में भी राजकुमार राव के साथ 25 साल बाद वापसी करेंगी। ज्योतिका पहली बार अजय के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग इस जून में शुरू होगी और इसकी बड़े पैमाने पर शूटिंग मुंबई, मसूरी और लंदन में की जाएगी। फिल्मों के बारे में डिटेल्स सीक्रेट्स रखी गई है। फिल्म का निर्माण अजय देवगन, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक द्वारा अजय देवगन एफफिल्म और पैनोरमा स्टूडियो के बैनर तले किया जाएगा। मेकर्स जल्द ही फिल्म के बारे में और जानकारी सामने लाएंगे। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म में अभिनेता आर. माधवन भी नजर आएंगे।

इन फिल्मों में कर चुकी हैं काम

'काखा काखा', 'कुशी', 'चंद्रमुखी' और 'जय भीम' जैसी तमिल फिल्मों में अपनी अदाकारी से सभी का दिल जीत चुकीं ज्योतिका ने 1997 में आई फिल्म 'डोली सजा के रखना' में काम किया था जिसके बाद उन्होंने पिछले 25 साल में एक भी हिंदी फिल्म नहीं की है।

बॉलीवुड | मन की बात

देश में और ज्यादा थियेटर खोलने की जरूरत : कंगना

कंगना रणौत बॉलीवुड की दमदार अभिनेत्री हैं, जो देशभर में चल रहे तमाम मुद्दों पर खुलकर बोलती हैं। कंगना ने कई ऐसे बयान दिए हैं, जिससे राजनीति में हंगामा मचा है। सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी राय मजबूती से रखने के लिए पहचानी जाने वाली कंगना ने एक बार फिर किसी मुद्दे पर बात की है। दरअसल, हाल ही में कंगना ने सोशल मीडिया पर इस बारे में बात की कि कैसे फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा संख्या में थिएटर्स की जरूरत है और इसके साथ ही अभिनेत्री ने यह भी बोला कि थिएटर जाना आज के समय में कैसे बहुत महंगा हो गया है। बॉलीवुड की पंगा गर्ल अभिनेत्री कंगना रणौत किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। बीते दिन ही कंगना रणौत की आगामी फिल्म तेजस को लेकर बड़ा अपडेट सामने कंगना ने ट्वीट कर थिएटर्स का मुद्दा उठा दिया है। कंगना रणौत ने अपने ट्विटर पर एक ट्वीट साझा किया था, जिसमें लिखा था, खतरनाक बॉक्स ऑफिस किसी को नहीं बख्श रहा है। कथित तौर पर पीवीआर आईनॉक्स ने क्यू4 एफवाय23 में लगभग 333 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया है, जिसमें उनके पिछले साल के 107 करोड़ रुपये के नुकसान को भी जोड़ा गया है। अब वे अगले 6 महीनों में लगभग 50 कम प्रदर्शन वाले सिनेमाघरों को बंद करने की योजना बना रहे हैं !!! अभिनेत्री ने देश में थिएटर्स की कमी और परिवार के साथ थिएटर में जाकर फिल्म देखने की बढ़ती लागत पर अपनी चिंता व्यक्त की और लिखा, हमें देश में और ज्यादा थिएटर्स खोलने की जरूरत है। हमें और ज्यादा स्क्रीन की आवश्यकता है, यह फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छा नहीं है। कहा जा रहा है कि मल्टीप्लेक्स में फिल्में देखना बहुत महंगा हो गया है, दोस्तों/परिवार के साथ जाना मतलब मिडिल क्लास की सैलरी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है ज्से कुछ काम करने की जरूरत है।

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' ने विदेश में मचाया धमाल

मनोज बाजपेयी की सिर्फ एक बंदा काफी है ने न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। कुछ सबसे बड़े लीगल कोर्टरूम ड्रामा में से एक इस फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर सभी को प्रभावित किया और न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में अपनी स्क्रीनिंग के दौरान इसे स्टैंडिंग ओवेशन मिला। इसके साथ ही फिल्म लगातार दर्शकों के मन पर अपना प्रभाव छोड़ रही है और अपनी रिलीज के लिए उत्साह बढ़ा रही है।

ऐसे में फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान मौजूद फिल्म के लीड एक्टर मनोज बाजपेयी ने कहा, इंटरनेशनल स्टेज पर दर्शकों से इस तरह की शानदार प्रतिक्रिया देखना एक

जबरदस्त एहसास है। जब हमारी फिल्म को न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में स्टैंडिंग ओवेशन मिला तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए। मैं सभी का आभारी हूं।

इंटरनेशनल स्टेज पर फिल्म को मिला स्टैंडिंग ओवेशन

इस मौके पर निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की ने साझा किया, दर्शकों को एक अहम संदेश भेजने के लिए पूरे दिल और कड़ी मेहनत के साथ बनाई गई इस फिल्म के लिए उनके द्वारा सराहा जाना एक विनम्र फीलिंग है। मुझे खुशी है कि हमारे कोशिशों को उसका रिवॉर्ड मिल रहा है, जिसके वह हकदार हैं।

जी 5 ग्लोबल की चीफ बिजनेस ऑफिसर, अर्चना आनंद ने कहा, साल के सबसे बड़े कोर्ट रूम ड्रामा, सिर्फ एक बंदा काफी है के साथ, जी 5 ग्लोबल ने साउथ एशिया की पावरफुल, प्रेरक कहानियों का लेवल बढ़ाया है। हम रोमांचित हैं कि मनोज बाजपेयी के शानदार प्रदर्शन वाली इस फिल्म को न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में पहचाना और सेलिब्रेट किया जा रहा है और खुशी है कि मनोज यहां अपने प्रशंसकों से मिल रहे हैं क्योंकि वे हमारे प्लेटफॉर्म पर फिल्म की अपकमिंग रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

ज़ी स्टूडियोज और भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड प्रेजेंट्स अपूर्व सिंह कार्की द्वारा निर्देशित सुपर्ण एस वर्मा की कोर्ट रूम ड्रामा बंदा, विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, आसिफ शेख और विशाल गुरनानी द्वारा निर्मित और जूही पारेख मेहता द्वारा सह-निर्मित हैं। सिर्फ एक बंदा काफी है 23 मई 2023 को विशेष रूप से जी-5 पर प्रीमियर के लिए तैयार है।

ये है दुनिया का एकमात्र जीव जो पराग खाकर रहता है जिंदा

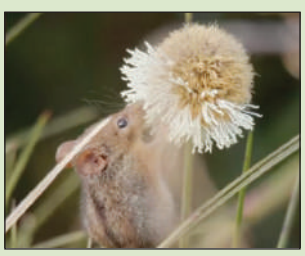

दुनिया अजबगजब जीवों से भरी हुई है। आपको यहां कई ऐसे जीव दिखाई दे जाएंगे जो इतने विचित्र होते हैं कि उनके बारे में ना ही आपने पहले सुना होगा और ना देखा होगा। कई जीव एक दूसरे से मिलते जुलते होते हैं पर वो अपने हमशक्लों से पूरी तरह अलग भी होते हैं। ऐसा ही एक जीव है हनी पोसम। ये दिखने में चूहे जैसा लगता है, पर चूहा नहीं है। इससे जुड़ी इस जीव का एक वीडियो इन दिनों वायरल हो रहा है। ट्विटर अकाउंट पर हाल ही में हनी पोसम जीव का एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें वो एक फूल से कुछ खाता नजर आ रहा है। आमतौर पर ऐसे जीव छोटे कीड़े या पत्तियां जैसी चीजें खाते हैं पर इस जीव की खासियत ये है कि ये पूरी तरह से पराग पर ही आश्रित है। हनी पोसम दिखने में चूहे जैसा है पर ये चूहे की तरह रोटी, या पनीर नहीं खाता है, ये सिर्फ फूलों का पराग खाता है। वीडियो में बताया गया है कि ये दुनिया का एकमात्र ऐसा जीव है जो पराग खाकर जिंदा रहता है पर उसके पास उड़ने की शक्ति नहीं है। दरअसल, पराग का सेवन करने वाले जीव जैसे बर्रे या अन्य तरह की मक्खियां होती हैं जो उड़ सकती हैं। इस वजह से वो उड़ते-उड़ते पराग को खा लेती हैं पर इसे उन फूलों पर चढ़कर पराग निकालना पड़ता है। इसका लंबा मुंह इसे ऐसा करने की सहूलियत देता है। ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में काफी पाए जाते हैं। वीडियो में भी आप देख सकते हैं कि जीव कैसे फूल के ऊपर चढ़कर पराग निकाल रहा है। इस वीडियो को 1 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि ये उड़ने वाली गिलहरी जैसा लग रहा है। वहीं एक ने कहा कि जीव जो खाता है, वो भोजन परमात्मा का होता है। वीडियो के साथ जो जीव के स्पर्म को लेकर जानकारी दी जा रही है, उसपर सवाल खड़े होते हैं। इस वजह से उस दावे के सच होने की हम पुष्टि नहीं करते हैं।

अजब-गजब | भुतहा गांव में खरीददार को देखकर पड़ोसियों की भर आईं आंखें

सिर्फ 270 रुपये में खरीद लिए तीन बंगले

आज के दौर में घर खरीदना किसी के लिए भी आसान नहीं। लोग वर्षों मेहनत करते हैं। एक-एक पैसा बचाते हैं तब जाकर एक छोटा सा मकान ले पाते हैं। लेकिन कैलिफ़ोर्निया की एक महिला ने सिर्फ 270 रुपये में 3 घर खरीद लिए। सौदा इतना शानदार था कि महिला फ्लाइट लेकर तुरंत पहुंच गई और चटपट अपने नाम करा लिया। इतना ही नहीं, जब वह पहुंची तो देखकर पड़ोसियों की आंखें भर आईं। उन्होंने भव्य स्वागत किया। महिला का इरादा घर को भव्य आर्ट गैलरी बनाने का है। उसने काम भी शुरू करा दिया है।

कैलिफोर्निया की रहने वाली रुबिया डेनियल ने इसकी पूरी कहानी इनसाइडर के साथ शेयर की है। उन्होंने बताया, जैसे ही मैंने पहली बार सुना कि इटली में सस्ते घर बिक रहे हैं, मैं खुद उन्हें देखना चाहती थी। मैं चकित थी कि आखिर यह कैसा होगा। मैंने रिसर्च की और तीन दिन के अंदर ही वहां जाने के लिए फ्लाइट का टिकट ले लिया। यह जगह इटली के एक छोटे से शहर मुसोमेली में थी। यह पूरा शहर भूत बंगला बनता जा रहा था क्योंकि लोग इसे छोड़कर शहरों की ओर भाग रहे थे। सरकार इस

जगह को फिर से बसा हुआ देखना चाहती थी, इसलिए औने-पौने दाम पर बेचा जा रहा था। ब्राजील के ब्रासीलिया से 30 साल पहले कैलिफोर्निया पहुंचीं डेनियल ने कहा, उस शहर में मुझे बचपन की याद दिला दी। वहां पहुंचने पर पड़ोसियों की आंखें भर आईं। लोग मेरा स्वागत कर रहे थे। हर कोई मेरे साथ कॉफी पीना चाहता था। वहां रहने वालों ने मुझे एक बहन की तरह गले लगाया। करीब 10 दिन मैं वहां थी, लेकिन हर दिन लोग मेरे साथ रहते थे। मैं न केवल उस शहर के समृद्ध इतिहास से खुश थी बल्कि स्थानीय लोगों ने जो प्यार दिया उसने दिल जीत लिया। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाली डेनियल ने कहा, मुझे इस जगह को फिर से नया बनाना है। मेरे पास तीनों घर के लिए अलग-अलग योजनाएं हैं। फिलहाल मैं इसे आर्ट गैलरी बनाने जा रही हूं ताकि लोग यहां आकर खुश हों। फिलहाल ज्यादातर समय यहीं गुजार रही हैं। डेनियल अकेली नहीं हैं, जो इटली की इन जीर्ण-शीर्ण इमारतों में पैसे लगा रही हैं। बहुत से लोग हैं जो काफी मकानें खरीद रहे हैं। उन्हें बेहतर बना रहे है, सरकार भी इसमें खूब मदद कर रही है।

2021 में दक्षिणी इटली के नौ गांवों को बसाने के लिए सरकार ने 33000 डॉलर देने की पेशकश की थी क्योंकि गांव तेजी से खाली हो रहे थे। वहां रहने वाला कोई नहीं था। 40 साल से कम उम्र वालों को विशेष रियायत और पैकेज देने को ऑफर दिया गया था। इसके अलावा भी कई और शहरों में ऐसी पेशकश की गई थी।

फोटो गैलरी के बहाने कांग्रेस-भाजपा में तकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदाणी के साथ लिंक कर पीएम मोदी की तस्वीर शेयर करने के कांग्रेस के तंज के बाद भाजपा ने बिना देर किए कांग्रेस को घेरा है। भाजपा के ट्विटर हैंडल से भी उसी अंदाज में जवाब दिया गया। इस बार बारी थी राहुल गांधी को निशाने पर लेकर उनपर तंज कसने की।

भाजपा ने भी इस मामले में कांग्रेस की ही राह चुनी। भाजपा ने अपने ट्विटर हैंडल से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक तस्वीर शेयर की जिसमें राहुल के आसपास उनके परिवार के लोगों की तस्वीर दिख रही है। इन तस्वीर को शेयर कर भाजपा ने कांग्रेस के परिवारवाद पर तंज कसा है।राहुल के आसपास की तस्वीरों में देश के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू और एडविना माउंटबेटन की तस्वीर भी है। भाजपा ने अपने ट्विटर हैंडल पर तस्वीर को कैप्शन दिया है, इनकी दुनिया। भाजपा और कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया जारी इस आरोप-प्रत्यारोप के बाद दोनों पार्टियों के समर्थक भी अपनी कलात्मकता दिखाने से बाज नहीं आ रहे और वे अपने-अपने अंदाज में इनकी दुनिया और मेरी दुनिया करने में व्यस्त हैं। एक अन्य ट्वीट में भाजपा के ट्विटर हैंडल से लिखा गया, ये नया भारत है... जहां परिवार नहीं, राष्ट्र प्रथम है...देश का विकास प्रथम है। इसके साथ जो तस्वीर शेयर की गई उसमें कांग्रेस पर परिवारवाद करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा गया है।ह्यह्यह्य

गैलरी में टहलते मोदी, अदाणी की तस्वीरों पर कसा तंज

बीजेपी ने भी कांग्रेस को कहा परिवार ही सबकुछ

निष्प्रयोज्य सामानों से दी जाएगी जरूरतमंदों को मदद: नेहा शर्मा

» यूपी के 11 नगर निगमों में बनेंगे 'ना थ्रो-ना थ्रो' ट्रिपल आर सेंटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) द्वारा मेरी लाइफ मेरा स्वच्छ शहर अभियान के तहत आगामी 20 मई से 5 जून तक अभियान का संचालन किया जाएगा। रिड्यूस, रियूज एंड रिसायकल के सिद्धांत पर ट्रिपल आर सेंटर खोलने का लिया गया। इसके तहत घरों से निष्प्रयोज्य सामग्रियों में कपड़े, किताबें, खिलौने, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक उपकरण, मशीनरी आदि एकत्रित कर जरूरतमंदों को की जाएगी।

नगरीय निकायों में ओडीओपी उत्पादों से सृजित अपशिष्ट को रिसायकल करने के लिए की जाएगी। उत्तर प्रदेश के 11 नगर निगमों में अब 'ना थ्रो-ना थ्रो' ट्रिपल आर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन केन्द्रों के माध्यम से आप अपने घरों की निष्प्रयोज्य सामग्री जैसे कपड़े, किताबें, खिलौने, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक उपकरण,

मशीनरी आदि दे सकेंगे। नगर निगम इनको एकत्रित कर जरूरतमंदों को वितरित करेगा। इन केन्द्रों को कपड़ा बैंक, किताब बैंक, बर्तन बैंक, खिलौना बैंक के रुप में विकसित किया जाएगा। राज्य मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि प्रदेश के 11 नगर निगमों को इस अभियान से जोड़ा गया है। आगामी 20 मई से 5 जून, 2023 तक इनका संचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ट्रिपल आर (रिड्यूस, रियूज एवं रिसायकल) ना थ्रो-ना थ्रो सेंटर की अवधारणा नागरिकों, संस्थानों, वाणिज्यिक उद्यमों आदि के लिए अप्रयुक्त या उपयोग की गई प्लास्टिक की वस्तुओं, कपड़े, जूते, किताबें और खिलौनों को जमा करने के लिए एक स्टॉप समाधान के रूप में हैं।

उपेंद्र कुशवाहा को जेड श्रेणी की सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय लोक जनता दल के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की सुरक्षा बढ़ा दी है। अब उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा देने दी गई है।इसके पहले मार्च में ही उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। खुफिया विभाग की उनको खतरे की रिपोर्ट मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह फैसला किया है।

जेड श्रेणी के तहत अब कुशवाहा को बिहार और दिल्ली में 33 सुरक्षागार्ड दिए जाएंगे। उनके घर पर 10 हथियारबंद स्टैटिक गार्ड, रात-दिन छह पीएसओ, तीन शिफ्ट में 12 सशस्त्र एस्कार्ट कमांडो, एक शिफ्ट में दो वाचर्स और तीन ट्रेंड वाहन चालक हर समय मौजूद रहेंगे। बता दें कि लंबे समय से जदयू के जुड़े रहे उपेंद्र कुशवाहा ने बीते फरवरी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नाता तोड़कर अपनी नई पार्टी आरएलजेडी का गठन किया था।

मोका से बदलेगा यूपी का मौसम, झुलसाएगी गर्मी

» तीन दिन तक धूल भरी आंधी के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मौसम में अचानक फिर बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रदेश के कई हिस्सों में मोका के असर से धूल भरी आंधी लोगों को परेशान कर सकती है। आज का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री और अधिकतम तापमान 42 डिग्री रहने की संभावना है। वहीं राजधानी लखनऊ में अगले तीन दिन मोका चक्रवात का असर देखने को मिलेगा।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, मोका के असर से मौसम तेजी से करवट ले रहा है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से धूल भरी हवा चलने की चेतावनी जारी की है।

इस दौरान वातावरण में धूल के कण बढ़ने से धूल भरे कोहरे जैसी स्थिति भी उत्पन्न होगी, हालांकि इससे तापमान पर असर नहीं पड़ेगा। अगले तीन दिन तक शहर का अधिकतम पारा 40 से 41 डिग्री

सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। इस बीच मंगलवार को भी अधिकतम पारा 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।इस दौरान बारिश की संभावना से मौसम विभाग ने इनकार किया है। बीते कई दिनों से मौसम अलग-अलग रंग दिखा रहा है। पहले मई की शुरुआत में बारिश, फिर बीते पांच दिन से गर्मी और अब धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। इस बीच शहर के लोगों को मंगलवार सुबह से तपिश का सामना करना पड़ा।

घर में लखनऊ सुपरजायंट्स का धमाल

» मुंबई इंडियंस को पांच रन से हराया, 3 मैच में 15 अंक, प्ले आफ की उम्मीद बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आईपीएल के 63वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने मुंबई इंडियंस को पांच रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही उसके 13 मैच में 15 अंक हो गए हैं। लखनऊ के लिए मैच में मार्कस स्टोइनिस ने नाबाद 89 रन बनाए। वहीं, क्रुणाल पांड्या ने 42 गेंद पर 49 रन बनाए। वह अपना अर्धशतक नहीं लगा पाए और रिटायर्ड हर्ट हो गए। उनके रिटायर्ड हर्ट होने पर सवाल खड़े हो रहे और कुछ लोग इसे बेईमानी तक बता रहे हैं।

दरअसल, 16वें ओवर के समाप्त होने के समय क्रुणाल ने नाबाद 49 रन बना लिए थे। वह अगला ओवर शुरू होने से पहले ही मैदान से बाहर चले गए। नियम के मुताबिक, एक बल्लेबाज को रिटायर्ड आउट होने की अनुमति है। इसमें बल्लेबाज अपनी पारी के दौरान किसी भी समय खुद को आउट घोषित कर सकता है। बल्लेबाजी के दौरान रिटायर्ड हर्ट होने वाले क्रुणाल गेंदबाजी के समय मैदान पर लौटे और टीम की कमान संभाली। उन्होंने गेंदबाजी भी की। मैच में लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 177 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई की टीम 172 रन ही बना पाई और मैच पांच रन से हार गई। लखनऊ के लिए मार्कस स्टोइनिस ने सबसे ज्यादा नाबाद 89 रन बनाए। वहीं, कप्तान क्रुणाल पांड्या ने 49 रन की पारी खेली। मुंबई के लिए जेसन बेहरनडॉर्फ ने दो ह्यह्य1वकेट लिए। मुंबई के लिए ईशान किशन ने 59 और रोहित शर्मा ने 37 रन बनाए। टिम डेविड ने नाबाद 32 रन की पारी खेली। लखनऊ के लिए यश ठाकुर और रवि बिश्नोई ने दो-दो विकेट लिए।

मणीपुर की स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम दरबार पहुंची

सरकार ने सुप्रीमकोर्ट से कहा-हालात में सुधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा के बाद अब हालात में सुधार हो रहा है। केंद्र और राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि स्टेटस रिपोर्ट सौंप दी गई है। साथ ही यह भी बताया कि राज्य के हालात तेजी से सुधर रहे हैं। हालांकि, केंद्र और राज्य सरकार ने यह भी कहा कि राज्य की सीमा और शांति बनाए रखने को लेकर कुछ मुद्दे हैं, लेकिन शांति बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हमारा इरादा राज्य में शांति बहाल करना है। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस और सीएपीएफ ने 315 राहत शिविर बनाए हैं। वहीं, राज्य सरकार ने राहत कार्यों के लिए 3 करोड़ रुपये का आपात रिलीफ फंड भी जारी किया है। उन्होंने बताया कि करीब 46 हजार लोगों को अब तक मदद पहुंचाई जा चुकी है।

जुलाई में होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर सरकार से राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच हिंसा पर एक नई स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। अब इस मामले की सुनवाई जुलाई के पहले हफ्ते में होगी।

आदेश पर रोक लगानी पड़ेगी : सीजेआई

वहीं, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अदालत को मणिपुर उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगानी पड़ेगी, जहां उसने मणिपुर सरकार से केंद्र को अनुसूचित जनजाति सूची में मेइती समुदाय को शामिल करने की सिफारिश करने पर विचार करने के लिए कहा था। बता दें, सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि जमीनी स्थिति को देखते हुए सरकार ने रोक लगाने की मांग नहीं की और केवल विस्तार की मांग की, क्योंकि इससे जमीनी स्थिति पर असर पड़ेगा।

फिर टली जातीय जनगणना की सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जातीय जन-गणना पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई। सुनवाई होने से पहले ही दो जजों की बेंच में एक जस्टिस संजय करोल ने इस मामले से खुद को अलग कर लिया। कहा गया कि जातीय जन-गणना केस में सुनवाई में जस्टिस करोल शामिल नहीं होंगे। संजय करोल सुप्रीम कोर्ट के जज बनने से पहले पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस थे। खुद को सुनवाई से अलग करके के पीछे उन्होंने कोई वजह नहीं बताई।

दो जजों की बेंच में एक ने खुद को किया अलग

बता दें कि वर्ष 1983 में वकालत शुरू करने वाले संजय करोल हिमाचल हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस, त्रिपुरा के चीफ जस्टिस और पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के पास तीसरी बार यह केस पहुंच रहा है। पहले, दो बार बिहार में जातीय जनगणना को असंवैधानिक करार देने के लिए याचिकाकर्ताओं ने अपील की थी। दोनों ही बार सुप्रीम कोर्ट ने इसे हाईकोर्ट का मसला करार दिया। दोनों बार बिहार सरकार को राहत मिली, लेकिन जब पटना हाईकोर्ट ने राज्य की नीतीश कुमार सरकार के निर्णय के खिलाफ अंतरिम फैसला सुनाते हुए जुलाई की तारीख दे दी तो अब तीसरी बार यह केस सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा है। बुधवार को छह नंबर कोर्ट में 47वें नंबर पर इसकी सुनवाई होने वाली थी।

एनआईए का छह राज्यों में छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार (17 मई) को आतंकवाद, नशे के तस्करों और गैंगस्टरों के गठजोड़ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एनआईए ने छह राज्यों हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में 100 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी की. प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस के सदस्य जसविंदर सिंह मुल्तानी के सहयोगियों के परिसरों पर भी तलाशी ली।

» आतंकवाद, तस्करी और गैंगस्टरों के गठजोड़ पर कार्रवाई

जसविंदर सिंह मुल्तानी पिछले साल चंडीगढ़ में मॉडल बुड़ैल जेल के पास बम लगाने में शामिल था। उसे 2021 में लुधियाना कोर्ट ब्लास्ट के मास्टरमाइंड के आरोप में जर्मनी में गिरफ्तार किया गया था। एनआईए की टीमों ने आतंक-नशीले पदार्थों-तस्करों-गैंगस्टरों की सांठगांठ के खिलाफ दर्ज पांच मामलों के जवाब ये छापेमारी अभियान चला रखा है।

एनआईए सूत्रों के मुताबिक विदेशों में बैठे गैंगस्टर कथित तौर पर खालिस्तानी अलगाववादियों को फंडिंग कर आतंक फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि एनआईए के 200 से अधिक रेड टीम के सदस्य 100 से अधिक स्थानों पर छापेमारी में मौजूद थे। जसविंदर सिंह मुल्तानी को एसएफजे के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू का करीबी सहयोगी माना जाता है और कथित तौर पर अलगाववादी गतिविधियों में शामिल है।

मशहूर वकील जफरयाब जिलानी का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

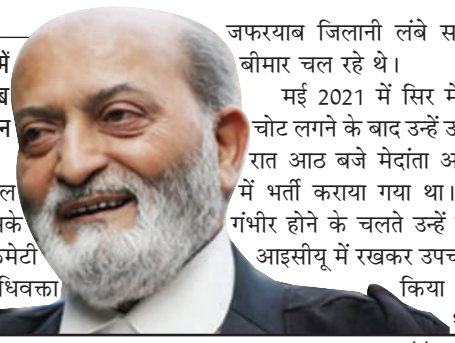

नई दिल्ली। अयोध्या बाबरी विवाद में मुस्लिम पक्ष के वकील रहे जफरयाब जिलानी का बुधवार को लखनऊ में निधन हो गया।

जफरयाब जिलानी मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मेंबर रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त वह बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के अध्यक्ष और यूपी के अपर महाधिवक्ता के पद पर भी रह चुके हैं। जफरयाब जिलानी लंबे समय के बीमार चल रहे थे।

मई 2021 में सिर में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें उसी दिन रात आठ बजे मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्थिति गंभीर होने के चलते उन्हें तत्काल आइसीयू में रखकर उपचार शुरू किया गया था।

अनदेखी

जिस हैदर कैनाल नाले को शहर भर का गंदा पानी निकालने की जिम्मेदारी है वह नगर निगम के अधिकारियों की अनदेखी के चलते इन दिनों कूड़ों से पूरी तरह पटा पड़ा है।

फोटो: सुमित कुमार

सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को दिया 3 महीने का समय

» अडानी समूह के खिलाफ जांच पर पूछा-अब तक क्या हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग रिसर्च के अडानी समूह के खिलाफ जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को तीन महीने का समय और दे दिया है। 14 अगस्त तक सेबी के जांच पूरी कर कोर्ट को अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी।

इससे पहले मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता से सवाल किया कि हमें बताए आपने अब तक क्या किया है। हमने आपको दो महीने का समय पहले ही दिया था और अब उसे अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है जो पांच महीने हो जाता है. मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बताया कि कोर्ट द्वारा गठित एक्सपर्ट कमिटी ने टाइमलाइन को ध्यान में रखते हुए कोर्ट के आदेश के मुताबिक अपनी रिपोर्ट दो महीने में सौंप दी। कोर्ट ने कहा कि अब इस मामले की सुनवाई 11 जुलाई 2023 को होगी। चीफ जस्टिस ने कोर्ट की मदद करने के लिए एक्सपर्ट कमिटी को बने रहने के लिए कहा है। तब तक उन्होंने कमिटी से आपसी चर्चा करने करने का अनुरोध किया है जिससे अगली सुनवाई के दौरान कोर्ट की आगे मदद की जा सके।

मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद के तहत होने वाली मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल, वलि की परीक्षाओं का बुधवार से आगाज हो गया है। प्रदेश में दो पालियों में यह परीक्षाएं सम्पन्न कराई जा रही हैं।

योगी सरकार ने नकलविहीन परीक्षाएं कराने के लिए कड़े प्रबंध किए हैं, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षाएं कराई जा रही हैं, जिसकी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जा रही ह, व्यवस्थाओं का जायजा लेने और नकलविहीन परीक्षाएं सम्पन्न कराने के लिए मदरसा बोर्ड के चेयरमैन इफ्तिखार अहमद जावेद खुद मदरसों का औचक निरीक्षण किया। इस बार लगभग 1 लाख 70 हजार बच्चे मदरसों के इम्तिहान में बैठें हैं।

नकल न हो किए गए कड़े प्रबंध

पूरे प्रदेश में 539 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं कराई जा रही हैं, वहीं राजधानी लखनऊ में 7 केंद्रों पर यह परीक्षाएं हो रही हैं, जिसमें लगभग 4 हजार परीक्षार्थी इम्तिहान में बैठे हैं। उन्होंने कहा कि मदरसा बोर्ड के इतिहास में पहली बार हो रहा है कि कंट्रोल रूम बनाकर हमारी टीमें सिर्फ सेंटर नहीं बल्कि हर कक्षा पर नजर रखे हैं और पूरी पारदर्शिता के साथ काम हो रहा है. मदरसा बोर्ड के तहत होने वाली यह परीक्षाएं छह दिन चलेंगी और 24 मई को आखिरी परीक्षा होगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।